

<p>तारीख हुल्य</p>	<p>हुल्य या कार्यवाही का इतिहास जस</p>	<p>नम्बर व तारीख अह्वाय जो इस हुल्य की तारीख में जारी हुई है</p>
------------------------	--	--

01/6/2016

पञ्जाबी आज से सर्व लोक अदालत के आगे
आपके हुए 2015 के सब क्वान और प-रायत
पुस्तक में लिखा हुआ। प-रायत, अ-रायत
वारीता एवं प्रतिकारीता के अर्थों में
शायद पूरा पेश कर निवेदन किया कि वह
इस को ही वायतागी नहीं चाहते व अ-रायत
को विना करनी चाहते हैं। इन्हें इन्होंने
प-रायत को अ-रायत बनाया व इसी
अह्वाय के अर्थ शय होकर अ-रायत को विना
करनी का निवेदन किया है प-रायत के अ-रायत
आदेशिक में अ-रायत है एवं प-रायत को
प-रायत उप-रायत अ-रायत प-रायत पुस्तक
की गयी। चूंकि लोक अदालत की हुल्य
भावना के अ-रायत प-रायत के अ-रायत
विवादात्मिकता का अ-रायत है - पुस्तक
इस प्रकार पर वास्तविक विवादात्मिक
अ-रायत अ-रायत किया जाकर वाद
विवादात्मिक अ-रायत की भांति है। उ-रायत
प-रायत में आजनी काय वारीता अ-रायत
नहीं होने पर प-रायत इसी अ-रायत पर
अ-रायत (अ-रायत अ-रायत) को भी प-रायत
वाद अ-रायत अ-रायत व अ-रायत -
दो अ-रायत अ-रायत है। निरीय आ-रायत
दिनांक 01/6/2016 के अ-रायत लोक
अदालत अ-रायत अ-रायत अ-रायत
पुस्तक गयी।

कौ. वि. अ-रायत

कौ. वि. अ-रायत

कौ. वि. अ-रायत

कौ. वि. अ-रायत

कौ. वि. अ-रायत

कौ. वि. अ-रायत

दीपिका
अ-रायत
अ-रायत

सरपंच
अ-रायत, अ-रायत
पं. स. अ-रायत
(अ-रायत)